ज्ञान - विज्ञानं विमुक्तये

Government of Karnataka
Department of Collegiate Eductation

MAHARANI'S ARTS COLLEGE FOR WOMEN

MYSORE - 570 005.

Grade 'B' Re-accredited by NAAC

UGC, CIIL, Mysore & KHS, Mysore

Sponsored National Level Seminar

On

' भारतीय भक्ति साहित्य को कर्नाटक का योगदान '

7 - 8, August 2015

Organized By :

DEPARTMENT OF HINDI

Venue :

PG SEMINAR HALL

MAHARANI'S ARTS COLLEGE FOR WOMEN

J.L.B. Road, MYSORE - 570005

Mobile : 9483901750

ABOUT THE HOST COLLEGE

Maharani's Arts College for Women is one of pioneer institutions imparting quality based education to women in Karnataka. This institution is situated in the heart of Mysore City with well connected rail, road & air transport facility. Being one of the oldest colleges in the state, is now heading towards its centenary celebrations. The college has the state - of - Art infrastructure with Wi-Fi connectivity and access to e-library. The college offers certificate courses, UG, PG & Ph.D., programs. The college is enriched with well qualified, highly learned and experienced faculty members striving towards the betterment of the students as well as the College. Many students have engraved their names in the history of this College by standing first in the University and bagging gold medals. Along with the academic pursuit the institution emphasizes on the overall development of the students by giving equal weightage to co-curricular activities and these achievements are the results of constant effort and support by the state government and college development council Mysore.

ABOUT THE HOST DEPARTMENT

The department of Hindi is one of the oldest department functioning in this college. Since its inception in 1919. Hindi as an optional subject is being offered in the UG course. The department has seen many stalwarts who were instrumental in popularizing the national and a link language Hindi, as a subject in this college. The faculty of this department have been playing a major role in bridging various languages through translation and are actively involved in research. They have published many articles and e-books. The students have bagged many gold medals and have brought laurels to the department at the university level.

राष्ट्रीय संगोष्ठी के बारे में –

अनादिकाल से एक भारतीय संस्कृति का देश पर सार्वभौमिक प्रभुत्व रहा है। संतवाणी इस एक संस्कृति का ताना – बाना है। इसके कई सुनहरे धागे कर्नाटक की संत – वाणी द्वारा उपलब्ध है। इन सुनहरे धागों की चमक नित्य है। इसकी पहचान का प्रयत्न इस राष्ट्रीय संगोष्ठी द्वारा किया जायेगा।

संगोष्ठी का विषय है – '' भारतीय भक्ति साहित्य को कर्नाटक का योगदान ''

संगोष्ठी की प्रासंगिकता :

१. भारतीय भक्ति अति प्राचीन है।

२. वैदिक काल से वर्तमान तक भरत में अनंत श्रेणीया और अनंत शाखाएँ अद्भुत, विकसित व पल्लवित हुई और भारतीय सभ्यता और संस्कृति के विकास में भक्ति चिंतन एवं दर्शन का महत्व पूर्ण योगदान है।

३. भक्ति साहित्य के बिना भारतीय संस्कृति की सामाजिक, प्रकृति की कल्पना नहीं की जा सकती है।

४. भारत में भक्ति के निर्गुण और सगुण दोनों रूप अनादि काल से विद्यमान है।

५. भारतीय भक्ति साहित्य एक ऐसी शक्तिदायिनी अध्यात्मिक चिंतन है, जिसके माध्यम से मानवीय मूल्यों को प्रसारित करनेवाली अप्रतिम भारतीय भक्ति साहित्य की परंपरा के

वैषिष्ठ्य, शोधपरक विचार करने हेतु देश भर के विद्वान इसमें भाग ले रहे है।

संगोष्ठी में पांच सत्र होंगे, जो निम्नवत्त है :

१. भारतीय भक्ति साहित्य एक – चिंतन
२. निर्गुण भक्ति साहित्य को कर्नाटक का योगदान
३. सगुण भक्ति साहित्य को कर्नाटक का योगदान
४. कर्नाटक के भक्ति साहित्य को महिलाओं की देन
५. भारतीय भक्ति साहित्य में स्त्री विमर्श।

Seminar Themes : Sub Themes

1. Importance of Bhakti Sahitya in India.
2. Relevence of Bhakti Sahitya to the Society.
3. Contribution of Sharan Sahity to the Society.
4. Contribution of Women to Bhakti Sahitya.
5. Contribution of Santh's to Bhakti Sahitya.
6. Contribution of Bhati movement in India.

Guidelines for Paper Submission

आपसे निवेदन है कि आप अपने आलेख की हार्ड एवं साफ्ट कापी मंगल (यूनीकोड) में टाईप कर दिनांक १७ जुलाई २०१५ तक भेजें। इसके बाद आनेवाले आलेखों को स्वीकृत नहीं किया जाएगा। आप अपना आलेख निम्नलिखित सत्ताईस (२७) विषयों के किसी भी पक्ष या आयाम पर तैयार कर सकते है। अपने आलेख की शब्द सीमा १५००–२००० तक ही होनी चाहिए। अतः शब्द सीमा का ध्यान रखें। विषय की सूची इसके साथ संलग्न है।

प्रथम सत्र '' भारतीय भक्ति साहित्य – एक चिंतन ''

१. भारतीय भक्ति साहित्य की विभिन्न धाराएँ।
२. भारतीय भक्ति साहित्य का विकास
३. भारतीय भक्ति साहित्य का सामाजिक पक्ष
४. संत महिलाओं के भक्ति साहित्य में सामाजिक चिंतन

द्वितीय सत्र '' निर्गुण भक्ति साहित्य को कर्नाटक का योगदान ''

५. निर्गुण भक्ति साहित्य का विकास
६. निर्गुण संत साहित्य और शरण साहित्य
७. सर्वज्ञ और कबीरदास
८. सगुण भक्ति साहित्य में तुलसीदास की भाषा
९. निर्गुण भक्ति साहित्य का विकास क्रम

तृतीय सत्र '' सगुण भक्ति साहित्य को कर्नाटक का योगदान ''

१०. हिंदी और कन्नड़ कृष्ण भक्ति साहित्य
११. सूरदास और पुरंदरदास
१२. कबीर और बसवेश्वर
१३. हिंदी और कन्नड़ वैष्णव साहित्य

चतुर्थ सत्र '' कर्नाटक के भक्ति साहित्य को महिलाओं की देन ''

१४. हिंदी और कन्नड़ संत महिलाओं से प्रतिपादित भक्ति
१५. भारतीय भक्ति साहित्य में सामाजिक चिंतन
१६. कबीर और अल्लम प्रभु के साहित्य में सामाजिकता
१७. हिंदी और कन्नड़ भक्ति साहित्य में स्त्री विमर्श

पंचम सत्र '' भारती भक्ति साहित्य में स्त्री विमर्श ''

१९. संत और वचन साहित्य में सामाजिकता
२०. मीराबाई और अक्कमहादेवी
२१. भक्ति की परिभाषा एवं स्वरूप
२२. कबीर और बसवेश्वर के दार्शनिक विचारों में समानता

Publication

Selected papers will be published by publisher. All rights of publishers of paper included in the seminar shall rest with the organizers of the seminar.

Important Dates

Seminar Dates : 7 - 8 August 2015
Last date for submission of abstract and full paper - 17 - 07-2015

Registration

Registration is mandatory for all the delegators as outlined below and it is non - refundable.

S.N.	Particulars	Fee for only registration
01.	Participants from Colleges.	Rs. 500/-
02.	Research Scholars	Rs. 300/-

Accommodation

Accommodation will be provided on prior request and payment basis at in & around the conference venue.

Bank Details : Bhartiya Mahila Bank, Mysore, Karnataka State, India
Account Name : Organizing Secretary, National Level Seminar 2015
Current Account No. : 111500007858

Organizing Committee :

Chief Patron : Prof. M. Purushotam, Principal
Organizing Secretary : Dr. Shalivahan B. Kollure, Associate Prof. of Hindi
Co-Ordinater : Dr. Sowbhagyalakshmi V., Associate Prof. & HOD of Hindi

1. Prof. Varadaraju M., Associate Prof. & HOD, Dept. of Kannada
2. Dr. Soumya Kumar., Associate Prof. PG Dept. of Sociology
3. Dr. Dhasharath R., Associate Prof. & HOD of Philosophy
4. Prof. Rajashekaran, Associate Prof. Dept. of History
5. Dr. Latha K. A., Associate Prof. Dept. of Kannada
6. Prof. Netravathi M., Associate Prof. Dept. of English
7. Dr. Venugopal A. V., Head, PG Dept. of Psychology
8. Dr. Srikanta Prasad, Head, PG Dept. of Geography
9. Dr. Krishnamurthy N. T., Assistant Professor, Dept. of Economics
10. Prof. Suma A., Assistant Professor, Dept. of Political Science
11. Dr. Lokesh K. N., Assistant Prof. Dept. of Sociology
12. Dr. Reshma Changappa, Assistant Professor, PG, Dept. of Economics

OOD FACILITY IS AVAILABLE FOR ALL FACULTY MEMBERS

All correspondence to be addressed to **Dr. Shalivahan B. Kollure**
Organizing Secretary, Associate Professor of Hindi
Maharani's Arts College for Women, Mysore - 570005.
Mobile : 9483901750, e-mail : shalivahanbk@yahoo.in